Class-IX
Mid-Term Exam 2023-24
Subject-Hindi
Marking Key & Solution
Set-C1/C2

प्र.सं. Set-C1	प्र.सं. Set - C2	प्रश्न प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक 80
		अपठित गद्यांश		**10**
1	2	i) c) बाहरी तरक़्क़ी ii) b) विनम्रता iii) d) सम् iv) c) बुराइयाँ v) c) अच्छा भोजन और पोशाक वाले लोग	1x 5	5
2	1	i) d) जो समय की क़ीमत समझता है ii) a) अकर्मण्य iii) b) व्यस्तता में iv) c) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी ग़लत व्याख्या करता है। v) a) जब वह केवल परीक्षा के दिनों में ही परिश्रम करता है।	1x 5	5
		व्यावहारिक व्याकरण		**16**
3	7	i) a) वर्णों से ii) b) पद	2X 1	2
4	8	i) a) कंजूस ii) d) कदँब iii) b) हिमपुंज	2X 1	2
5	9	i) b) परा ii) d) उद्योग iii) c) आई iv) b) अमानवीय v) c) राष्ट्रीयता	4X 1	4
6	10	i) c) पाँच ii) c) राका+ईश iii) d) हिमालय iv) b) गुण संधि	3X 1	3

7	1(v)	i) c) गाँधी जी ने कहा - "हम स्वराज्य लाएँगे।" ii) b) , iii) c) विस्मयसूचक, पूर्णविराम iv) b) त्रुटिपूरक / हंसपद	3X 1	3
8	1(vi)	i) d) आज्ञावाचक वाक्य ii) c) सरल वाक्य iii) d) यदि तुम जयपुर चलोगे तो मैं भी चलूँगा।	2X 1	2
		पठित पद्यांश तथा गद्यांश तथा पाठ पर आधारित बहु-विकल्पीय प्रश्न		**14**
9	3	i) c- अरुण कमल ii) b - क्योंकि नित्य नए परिवर्तन हो रहे हैं। iii) b - क्या यह वही मकान है? iv) b - पतझड़ v) d- बड़े शहरों में संवेदनशीलता का घटना	5X 1	5
10	4	i) a) गीत-संगीत ii) c) पत्ता	2 X 1	2
11	5	i) b) शंकु ii) a) अपनी व साथियों की सुरक्षा का iii) c) इत iv) d) उपर्युक्त सभी v) c) माता-पिता का	5 X 1	5
12	6	i) d) b और c दोनों ii) d) उपर्युक्त सभी बातें ।	2 X 1	2
		वर्णनात्मक खंड **पाठ्यपुस्तक (स्पर्श / संचयन से लघु प्रश्न)**		**12+6 = 18**
13	15	उत्तर i) लेखक संभ्रांत महिला और गरीब बुढ़िया-दोनों के दु:ख मनाने के ढंग को देखकर सोचता है-दु:ख प्रकट करने के लिए और मृत्यु का शोक प्रकट करने के लिए भी मनुष्य को सुविधा होनी चाहिए। उसके पास इतना धन, साधन और समय होना चाहिए कि दु:ख के दिनों में उसका काम चल जाए। डॉक्टर उसकी सेवा कर सकें। उस पर घर के बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी न हो। आशय यह है कि गरीब लोग मज़बूरी के कारण ठीक से शोक भी नहीं मना पाते। उनकी मजबूरियाँ उन्हें परिश्रम करने के लिए बाध्य कर देती हैं। उत्तर ii) लेखक का अतिथि ऐसा व्यक्ति है जिसे दूसरे का घर बड़ा अच्छा लगता है। दूसरे के घर ठहरने पर एक व्यक्ति खर्चे जोड़ने की चिंता से मुक्त रहता है और अपनी सारी परेशानियों को भूलकर आतिथ्य का आनंद लेता है। लेकिन यह व्यावहारिक नहीं है क्योंकि इससे मेजबान के सुखी जीवन में खलल पड़ने लगता है। इसलिए लेखक का मानना है कि अपने घर	3 X 2	6

		की मधुरता का आनंद लेना चाहिए लेकिन किसी दूसरे के घर की सुख शांति में खलल नहीं डालना चाहिए। उत्तर iii) नमचे बाज़ार शेरपालैंड का सर्वाधिक महत्वपूर्ण नगरीय क्षेत्र है। अधिकांश शेरपा इसी स्थान और यहाँ के आस-पास के गाँवों के होते हैं। लेखिका ने एवरेस्ट को सागरमाथा नाम दिया था क्योंकि एवरेस्ट की बर्फ़ ही पिघल कर अंतत: सागर बनती है अत: एवरेस्ट की ऊँची चोटी सागर के ललाट (माथे) के समान है।		
14	14	उत्तर i) रैदास ने अपनी रचनाओं में सरल, व्यावहारिक ब्रजभाषा का प्रयोग किया है, जिसमें अवधी, जस्थानी, खड़ी-बोली और उर्दू-फ़ारसी के शब्दों का मिश्रण है।रैदास को उपमा और रूपक अलंकार शेष प्रिय हैं।इनका आत्मनिवेदन, दैन्य भाव और सहज भक्ति पाठक के हृदय को उद्वेलित करते हैं। पहले पद 'प्रभु जी, तुम चंदन हम पानी' में कवि अपने आराध्य को याद करते हुए उनसे अपनी तुलना करता है। उसका प्रभु बाहर कहीं किसी मंदिर या मस्ज़िद में नहीं विराजता वरन् उसके अपने अंतस में सदा विद्यमान रहता है। उत्तर ii) भाव यह है कि वस्तु की महत्ता उसके आकार के कारण नहीं, बल्कि उसकी उपयोगिता के कारण होती है। छोटी से छोटी वस्तु का भी अपना महत्त्व होता है, क्योंकि जो काम सुई कर सकती है उ तलवार नहीं कर सकती है। उत्तर iii) जीवन में जब कठिनाई का दौर चलता है तभी किसी की असली परीक्षा होती है। ऐसे ही दौर को कवि ने अग्नि पथ के रूप में देखा है।जब जीवन में सफल होने के लिए कठिन रास्ते पर चलने का फ़ैसला कर लो तो मनुष्य को एक प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि चाहे मंजिल तक पहुँचाने के रास्ते में कितनी भी मुश्किलें क्यों न आए मनुष्य को कभी भी मेहनत करने से थकेगा नहीं, कभी रुकेगा नहीं और ना ही कभी पीछे मुड़ कर देखेगा।	3 X 2	6
15	13	उत्तर i) हिंदू संस्कृति में ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष में हमारे पूर्वज हमसे कुछ पाने के लिए कौए के रूप में हमारे सामने आते हैं। इसके अलावा कौए हमारे दूरस्थ रिश्तेदारों के आगमन की सूचना भी देते हैं, जिससे उसे आदर मिलता है। दूसरी ओर कौए की कर्कश भरी काँव-काँव को हम अवमानना के रूप में प्रयुक्त करते हैं। इससे वह तिरस्कार का पात्र बनता है। इस प्रकार एक साथ आदर और अनादर पाने के कारण कौए को समादरित और अनादरित कहा गया है। उत्तर ii) लेखक अपने छोटे भाई के साथ मक्खनपुर डाक में चिट्ठियाँ डालने जा रहा था। उसके साथ उसका छोटा भाई भी था। उस रास्ते में एक कुआँ पड़ता था जिसमें साँप गिर पड़ा था। लेखक के मन में उसकी फुसकार सुनने की इच्छा जाग्रत हुई। उसने एक हाथ से टोपी उतारी और उसी समय दूसरे हाथ से ढेला कुएँ में फेंका। टोपी उतारते ही उसमें रखी चिट्ठियाँ कुएँ में चक्कर काटते हुए गिर रही थी। चिट्ठियों की ऐसी स्थिति देखकर लेखक पर बिजली-सी गिर पड़ी और इस प्रकार वह एक भारी मुसीबत में फँस गया। उत्तर iii) चक्षुश्रवा साँप को कहा जाता है क्योंकि वह सुन नहीं सकता है , परंतु अपनी आँखों द्वारा देखकर और तरंगों को महसूस करके वह क्रियाएँ करता है।लेखक अपने छोटे भाई के साथ मक्खनपुर डाक में चिट्ठियाँ डालने जा रहा था। उसके साथ उसका छोटा भाई भी था। उस रास्ते में एक कुआँ पड़ता था जिसमें साँप गिर पड़ा था। लेखक के मन में उसकी	3 X 2	6

		फुसकार सुनने की इच्छा जाग्रत हुई। उसने एक हाथ से टोपी उतारी और उसी समय दूस हाथ से ढेला कुएँ में फेंका। टोपी उतारते ही उसमें रखी चिट्ठियाँ कुएँ में चक्कर काटते हु गिर रही थी। यही लेखक के लिए मुसीबत थी और इसके लिए उसने कुँए में उतर कर चिट्ठियाँ निकालने का निर्णय किया।		
		रचनात्मक खंड		**22**
16	18	अनुच्छेद लेखन- विषय-वस्तु, प्रारूप, भाषिक शुद्धता।	6 X 1	6
17	16	पत्र लेखन- विषय-वस्तु, प्रारूप, भाषिक शुद्धता। सेट C1 और C2 के विषय अलग-अलग हैं।	6 X 1	6
18	19	चित्र वर्णन - कल्पनाशीलता, भाषिक शुद्धता , चित्र से संबद्धता ।	5 X 1	5
19	17	संवाद लेखन- विषय-वस्तु, प्रस्तुतीकरण , भाषिक शुद्धता। सेट C1 और C2 के विषय अलग-अलग हैं।	5 X 1	5

AI